

## सुरदास पद

दढ ँन चरुणन केरो भरोसो ।  
दढ ँन चरुणन केरो ॥ भरोसो...  
श्री वल्लभ नभ चंद्र छटा बिन ।  
सभ जग मांडी अंधेरो ॥ भरोसो...  
साधन और नहीं या कलि में ।  
जसों होन निवेरो ॥ भरोसो...  
सूर कहा कहे विविध आंधरो ।  
बिना मौल को येरो ॥ भरोसो...